ISSN : 2581-3145

मार्च, 2019

आलोकपर्व

वर्ष : 6 अंक : 4

RNI NO. DELBIL/2013/50974

कीमत : 40 रुपये

साहित्य अकादेमी द्वारा अंबेडकर जयंती पर

बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन

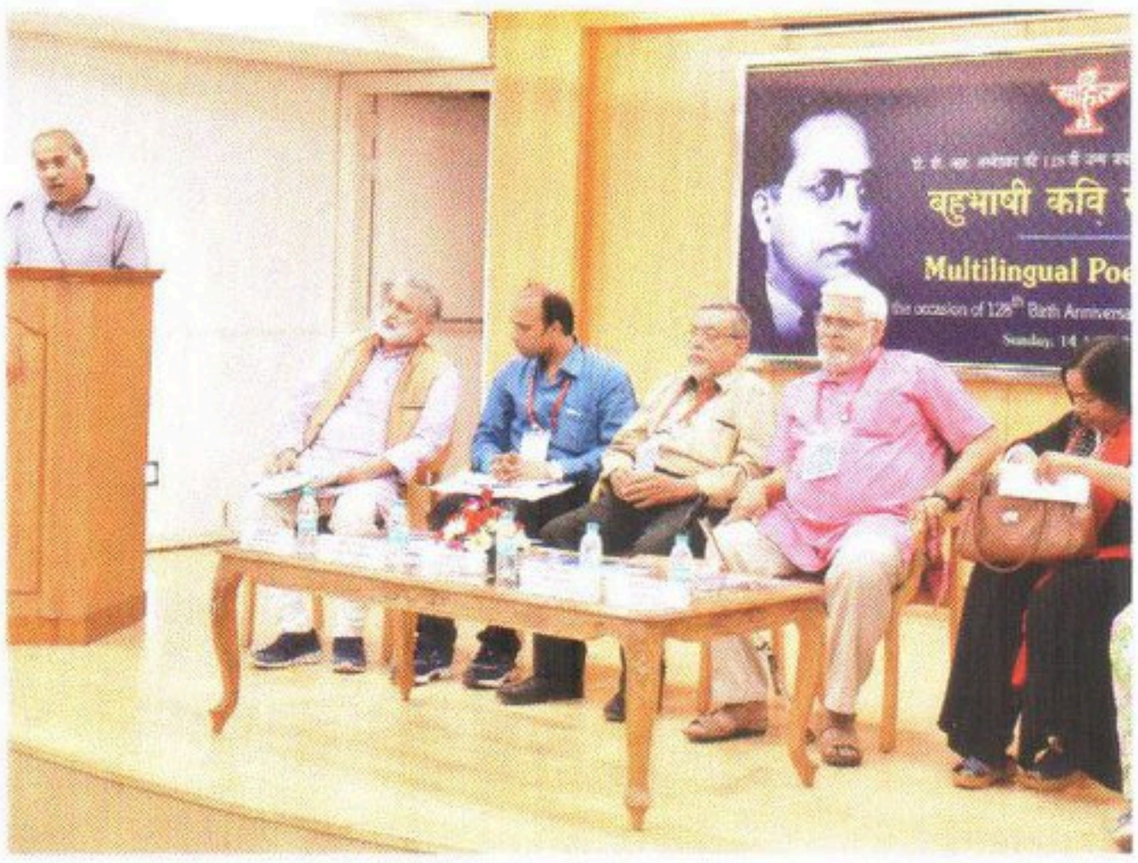

आलोकपर्व नेटवर्क

साहित्य अकादेमी में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 128वीं जन्मजयंती के अवसर पर बहुभाषी कवि सम्मिलन का आयोजन किया गया। सम्मिलन में छह भारतीय भाषाओं के 10 कवियों ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव, डॉ. के. श्रीनिवासराव ने सभी आमंत्रित कवियों का स्वागत पुस्तकें भेंट कर किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में कहा कि डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा के माध्यम से लोगों को जागृत कर एक समतावादी समाज की कल्पना की और उसको साकार करने की दिशा में अंत तक लगे रहे। उन्होंने अकादेमी द्वारा दलित साहित्य केंद्रित विभिन्न आयोजनों की जानकारी देते हुए बताया कि अकादेमी हाशिये के स्वरों को निरंतर मंच प्रदान करती रहती है।

कविता पाठ के पहले सत्र में सुकृति सिकदर (बाङ्ला), हरीश मंगलम (गुजराती), मलखान सिंह, अनीता भारती (हिंदी) एवं प्रतिभा अहिरे (मराठी) ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। कविता पाठ के दूसरे सत्र में कांबले महादेव गोरख (मराठी), गुरमीत कल्लार माजरी (पंजाबी), अनबाधवन (तमिळ) एवं रजत रानी मीनू तथा महेंद्र बेनीवाल (हिंदी) ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं।

सभी कवियों ने अपनी एक रचना मूल भाषा में प्रस्तुत की और अन्य कविताएँ हिंदी अथवा अंग्रेजी में प्रस्तुत कीं। कविताएँ मुख्यतः स्त्रियों की दुर्दशा और समाज में जातिगत उत्पीड़न पर केंद्रित थी। कुछ कविताएँ डॉ. अंबेडकर के व्यक्तित्व पर भी प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी की पत्रिका 'समकालीन भारतीय साहित्य' के अतिथि संपादक ब्रजेंद्र त्रिपाठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं दलित लेखक एवं चिंतक उपस्थित थे।